॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

योग

चित्त की मलिनता, कुसंस्कार, अविद्या,
क्रोध, मोह, भयादि से पृथक् होकर आत्मा-परमात्मा की अनुभूति,
आनन्द, हर्ष, निर्मलता, उत्साह, बलादि गुणों की प्राप्ति करना योग है।

वैदिक साहित्य
वेद

(१) ऋग्वेद (३) सामवेद
(२) यजुर्वेद (४) अथर्ववेद

JANUARY-2018

जनवरी-२०१८

विक्रम संवत् - २०७४

पौष - माघ मास

सृष्टि संवत् ०१,९६,०८,५३,११८

रवि		7 माघ कृ. ६	14 माघ कृ. १३ मकर संक्रान्ति	21 माघ शु. ४ लाला लाजपतराय ज.	28 माघ शु. १२
सोम	1 पौष शुक्ल १४	8 माघ कृ. ७	15 माघ कृ. १४	22 बसंत पंचमी ५	29 माघ शु. १३
मंगल	2 पौष पूर्णिमा	9 माघ कृ. ८	16 माघ अमावस्या	23 माघ षष्ठी ६	30 माघ शु. १४
बुध	3 माघ कृ. २	10 माघ कृ. ९ विश्व हिन्दी दिवस	17 माघ अमावस्या	24 माघ शु. ७	31 माघ पूर्णिमा
गुरु	4 माघ कृ. ३	11 माघ कृ. १०	18 माघ शु. १	25 माघ शु. ८	
शुक्र	5 माघ कृ. ४	12 माघ कृ. ११	19 माघ शु. २	26 माघ शु. ९ गणतंत्र दिवस	
शनि	6 माघ कृ. ५	13 माघ कृ. १२	20 माघ शु. ३	27 माघ शु. १०/११	

जो मनुष्य उसी निराकार ईश्वर की भक्ति , उसी में विश्वास और उसी का सत्कार (पूजा) करते हैं, उसको छोड़कर अन्य किसी को लेशमात्र भी नहीं मानते उन पुरुषों को ही ज्ञान, इष्ट-सुख मिलता है अन्य को नहीं ।

योगादेव तु कैवल्यम्

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

उपासना

प्रत्येक मनुष्य को नित्य प्रातः व सायंकाल ईश्वर की उपासना करनी चाहिए। इससे व्यक्ति में बल-सामर्थ्य की अपूर्व वृद्धि होती है। ऋषियों ने उपासना न करने वाले व्यक्ति की निंदा की है और उसे कृतघ्न बताया है।

वैदिक साहित्य
उपवेद

(१) आयुर्वेद (३) गन्धर्ववेद
(२) धनुर्वेद (४) अर्थवेद

FEBRUARY-2018 — फरवरी-२०१८ — फाल्गुन मास

विक्रम संवत् - २०७४

सृष्टि संवत् ०१,९६,०८,५३,११८

रवि		4 फाल्गुन कृ. ४	11 फाल्गुन कृ. ११	18 फाल्गुन शु. ३	25 फाल्गुन शु. १०
सोम		5 फाल्गुन कृ. ५	12 फाल्गुन कृ. १२	19 फाल्गुन शु. ४ छत्रपति शिवाजी जयंति	26 फाल्गुन शु. ११ वीर सावरकर पूण्यतिथि
मंगल		6 फाल्गुन कृ. ६	13 फाल्गुन कृ. १३	20 फाल्गुन शु. ५	27 फाल्गुन शु. १२ चंद्र शेखर आजाद शहीद दिवम
बुध		7 फाल्गुन कृ. ७	14 फाल्गुन कृ. १४ महाशिवरात्रि	21 फाल्गुन शु. ६	28 फाल्गुन शु. १३
गुरु	1 फाल्गुन कृ. १	8 फाल्गुन कृ. ८	15 फाल्गुन अमावस्या	22 फाल्गुन शु. ७	
शुक्र	2 फाल्गुन कृ. २	9 फाल्गुन कृ. ९	16 फाल्गुन शु. १	23 फाल्गुन शु. ८	
शनि	3 फाल्गुन कृ. ३	10 फाल्गुन कृ. १० महर्षि दयान्द जयंती	17 फाल्गुन शु. २	24 फाल्गुन शु. ९	

मनुष्यों को उचित है कि प्रातःकाल उठकर परमप्रकाशक, उपासकों से ध्याये हुए सर्वव्यापक, सर्वपूज्य, परमात्मा का ध्यान करें, जिससे वह अन्तःकरण को पवित्र करे और अविद्या की निवृत्ति द्वारा सर्वदुःख दूर हो।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

विद्या

किसी भी वस्तु को अच्छी तरह जानने व समझने का नाम विद्या है। विद्या सुख प्राप्ति का सर्वोत्तम उपाय है। उपदेश-श्रवण, वेदादि सत्य शास्त्रों का अध्ययन, विद्वानों का संग विद्या प्राप्ति के साधन हैं।

वैदिक साहित्य

शाखा (वेद के व्याख्यान)

(१) ऋग्वेद २१ (३) सामवेद १,०००
(२) यजुर्वेद १०१ (४) अथर्ववेद ६

MARCH-2018 मार्च-२०१८ फाल्गुन - चैत्र मास

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		4 चैत्र कृ. ३	11 चैत्र कृ. ९	18 चैत्र शु. १ नव संवत्सर	25 चैत्र शु. ८/९ श्रीराम नवमी
सोम		5 चैत्र कृ. ४	12 चैत्र कृ. १०	19 चैत्र शु. २	26 चैत्र शु. १०
मंगल		6 चैत्र कृ. ५	13 चैत्र कृ. ११	20 चैत्र शु. २	27 चैत्र शु. ११
बुध		7 चैत्र कृ. ६	14 चैत्र कृ. १२	21 चैत्र शु. ४	28 चैत्र शु. १२
गुरु	1 फाल्गुन पूर्णिमा होलिका दहन	8 चैत्र कृ. ७	15 चैत्र कृ. १३	22 चैत्र शु. ५	29 चैत्र शु. १३ महावीर जयंती
शुक्र	2 चैत्र कृ. १ दुल्हैंडी	9 चैत्र कृ. ८	16 चैत्र कृ. १४	23 चैत्र शु. ६ शहीद दिवस	30 चैत्र शु. १४ गुड फ्राईडे
शनि	3 चैत्र कृ. २	10 चैत्र कृ. ९	17 चैत्र अमावस्या	24 चैत्र शु. ७	31 चैत्र पूर्णिमा

जब उत्तम उपदेशक होते हैं तब अच्छे प्रकार धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सिद्ध होते हैं और जब उत्तम उपदेशक और श्रोता नहीं रहते तब अन्ध परम्परा चलती है।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

APRIL-2018 अप्रैल-२०१८ वैशाख मास

विक्रम संवत् - २०७५

सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि	1 वैशाख कृ. १	8 वैशाख कृ. ८	15 वैशाख कृ. १४	22 वैशाख शु. ७	29 वैशाख शु. १४
सोम	2 वैशाख कृ. २	9 वैशाख कृ. ९	16 वैशाख अमावस्या	23 वैशाख शु. ८	30 वैशाख पूर्णिमा बुद्ध पूर्णिमां
मंगल	3 वैशाख कृ. ३	10 वैशाख कृ. १०	17 वैशाख शु. १/२	24 वैशाख शु. ९	
बुध	4 वैशाख कृ. ४	11 वैशाख कृ. ११	18 वैशाख शु. ३	25 वैशाख शु. १०	
गुरु	5 वैशाख कृ. ५	12 वैशाख कृ. ११	19 वैशाख शु. ४	26 वैशाख शु. ११	
शुक्र	6 वैशाख कृ. ६	13 वैशाख कृ. १२	20 वैशाख शु. ५	27 वैशाख शु. १२	
शनि	7 वैशाख कृ. ७	14 वैशाख कृ. १३	21 वैशाख शु. ६	28 वैशाख शु. १३	

समस्त यज्ञिय प्रक्रिया हमें यह संकेत करती है कि अपने जीवन व व्यवहार में त्याग भावनाओं को अपनाएं। लेने की प्रवृत्ति स्वार्थवृत्ति है और देने की भावना त्यागवृत्ति है।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

वानप्रस्थ

गृहस्थ जीवन का परित्याग कर विद्या, धर्म, तत्त्वज्ञान, ईश उपासना, संयम, आत्म उन्नति, साधना, सेवा हेतु विशेष प्रयास करना वानप्रस्थ का मुख्य लक्ष्य है।

वैदिक साहित्य
ब्राह्मण ग्रन्थ

(१) शतपथ (२) ऐतरेय
(२) गोपथ (४) तैत्तरेय

MAY-2018 मई-२०१८ ज्येष्ठ - अधिमास

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		6 ज्येष्ठ कृ. ६	13 ज्येष्ठ कृ. १३	20 ज्येष्ठ शु. ५/६	27 ज्येष्ठ शु. १३
सोम		7 ज्येष्ठ कृ. ७	14 ज्येष्ठ कृ. १४	21 ज्येष्ठ शु. ७	28 ज्येष्ठ शु. १४
मंगल	1 ज्येष्ठ कृ. १	8 ज्येष्ठ कृ. ८	15 ज्येष्ठ अमावस्या	22 ज्येष्ठ शु. ८	29 ज्येष्ठ पूर्णिमा
बुध	2 ज्येष्ठ कृ. २	9 ज्येष्ठ कृ. ९	16 ज्येष्ठ शु. १	23 ज्येष्ठ शु. ९	30 ज्येष्ठ कृ. १
गुरु	3 ज्येष्ठ कृ. ३	10 ज्येष्ठ कृ. १०	17 ज्येष्ठ शु. २	24 ज्येष्ठ शु. १०	31 ज्येष्ठ कृ. २
शुक्र	4 ज्येष्ठ कृ. ४	11 ज्येष्ठ कृ. ११	18 ज्येष्ठ शु. ३	25 ज्येष्ठ शु. ११	
शनि	5 ज्येष्ठ कृ. ५	12 ज्येष्ठ कृ. १२	19 ज्येष्ठ शु. ४	26 ज्येष्ठ शु. १२	

सुख व सुख के साधनों को चाहते सब हैं पर वे जिसे सुख और सुख का साधन मानते हैं, इसका भेद हो जाने से मार्ग में परिवर्तन हो जाता है।
एक भौतिकवादी बन जाता है, एक अध्यात्मवादी।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

स्वाध्याय

वेद, दर्शन, उपनिषद्, आदि सत्य शास्त्रों को पढने का नाम स्वाध्याय है । स्वाध्याय करने से शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति होती है । जिससे जीवन का लक्ष्य सुस्पष्ट, स्थिर और सार्थक होता है ।

वैदिक साहित्य

दर्शन

(१) योग
(२) सांख्य
(३) वैशेषिक
(४) न्याय
(५) मीमांसा
(६) वेदान्त

JUNE-2018

जून-२०१८

विक्रम संवत् - २०७५

ज्येष्ठ - आषाढ़ मास

सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		**3** अधि. ज्येष्ठ कृ. ५	**10** अधि. ज्येष्ठ कृ. ११	**17** ज्येष्ठ शु. ४	**24** ज्येष्ठ शु. ११
सोम		**4** अधि. ज्येष्ठ कृ. ६	**11** अधि. ज्येष्ठ कृ. १२	**18** ज्येष्ठ शु. ५ महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस	**25** ज्येष्ठ शु. १२
मंगल		**5** अधि. ज्येष्ठ कृ. ६	**12** अधि. ज्येष्ठ कृ. १३/१४	**19** ज्येष्ठ शु. ६	**26** ज्येष्ठ शु. १३
बुध		**6** अधि. ज्येष्ठ कृ. ७	**13** ज्येष्ठ अमावस्या	**20** ज्येष्ठ शु. ७	**27** ज्येष्ठ शु. १४
गुरु		**7** अधि. ज्येष्ठ कृ. ८	**14** ज्येष्ठ शु. १	**21** ज्येष्ठ शु. ८	**28** ज्येष्ठ पूर्णिमा
शुक्र	**1** अधि. ज्येष्ठ कृ. ३	**8** अधि. ज्येष्ठ कृ. ९	**15** ज्येष्ठ शु. २	**22** ज्येष्ठ शु. ९	**29** अषाढ कृ. १
शनि	**2** अधि. ज्येष्ठ कृ. ४	**9** अधि. ज्येष्ठ कृ. १०	**16** ज्येष्ठ शु. ३ महाराणा प्रताप जयंती	**23** ज्येष्ठ शु. १०	**30** अषाढ कृ. २

कोई भी व्यक्ति इच्छाओं के विघात से रहित नहीं हो सकता न पहले हुआ है और न होगा । इसका एक ही समाधान है इच्छाओं का नाश कर दिया जाए ।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

सेवा

सेवा करने से चित्त निर्मल व प्रसन्न होता है। माता-पिता, विद्वान, संन्यासी इत्यादि व्यक्ति जिनके हम पर अनेक उपकार हैं अथवा वो व्यक्ति जो निराश्रित, निर्धन, दीन:दुखी हैं उनकी सेवा-शुश्रूषा तन-मन-धन से करनी चाहिए।

वैदिक साहित्य

उपनिषद्

(१) ईश (२) केन (३) कठ (४) प्रश्न (५) मुण्डक

JULY-2018 जुलाई-२०१८ आषाढ - श्रावण मास

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि	1 आषाढ कृ. ३	8 आषाढ कृ. १०	15 आषाढ शु. ३	22 आषाढ शु. १०	29 श्रावण कृ. २
सोम	2 आषाढ कृ. ४	9 आषाढ कृ. ११	16 आषाढ शु. ४	23 आषाढ शु. ११ चंद्रशेखर आजाद जयंती	30 श्रावण कृ. ३
मंगल	3 आषाढ कृ. ५	10 आषाढ कृ. १२	17 आषाढ शु. ५	24 आषाढ शु. १२	31 श्रावण कृ. ४
बुध	4 आषाढ कृ. ६	11 आषाढ कृ. १३	18 आषाढ शु. ६	25 आषाढ शु. १३	
गुरु	5 आषाढ कृ. ७	12 आषाढ कृ. १४	19 आषाढ शु. ७	26 आषाढ शु. १४	
शुक्र	6 आषाढ कृ. ८	13 आषाढ अमावस्या	20 आषाढ शु. ८	27 आषाढ पूर्णिमा	
शनि	7 आषाढ कृ. ९	14 आषाढ शु. १/२	21 आषाढ शु. ९	28 श्रावण कृ. १	

हे मनुष्यों ! उस सर्वव्यापक, जगत् की उत्पति, स्थिति, प्रलय, संचालन करने वाले ईश्वर को जानो, उसके दिए ज्ञान, बल सामर्थ्य से हम कार्यों को करने में समर्थ हुए हैं। ऐसे श्रेष्ठ ईश्वर को हम अपना मित्र बनावें।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

उत्तम स्वास्थ्य

जिसका चित्त प्रसन्न हो, इन्द्रियों पर संयम हो, मन में किसी प्रकार की चिन्ता, भय, शोकादि न हो, अपने समस्त कार्यों को एकाग्रचित्त होकर कर पाता हो, वही व्यक्ति वास्तव में स्वस्थ है।

वैदिक साहित्य

उपनिषद्

(१) माण्डूक्य (२) ऐतरेय (३) तैत्तिरीय (४) छान्दोग्य (५) बृहदारण्यक

AUGUST-2018 अगस्त-२०१८ श्रावण - भाद्रपद मास

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		5 श्रावण कृ. ८/९	12 श्रावण शु. १	19 श्रावण शु. ९	26 श्रावण पूर्णिमा
सोम		6 श्रावण कृ. १०	13 श्रावण शु. २	20 श्रावण शु. १०	27 भाद्रवद कृ. १
मंगल		7 श्रावण कृ. ११	14 श्रावण शु. ३	21 श्रावण शु. १०	28 भाद्रवद कृ. २
बुध	1 श्रावण कृ. ४	8 श्रावण कृ. १२	15 श्रावण शु. ४ स्वतंत्रता दिवस	22 श्रावण शु. ११ बकरी ईद	29 भाद्रवद कृ. ३
गुरु	2 श्रावण कृ. ५	9 श्रावण कृ. १३	16 श्रावण शु. ५/६	23 श्रावण शु. १२	30 भाद्रवद कृ. ४
शुक्र	3 श्रावण कृ. ६	10 श्रावण कृ. १४	17 श्रावण शु. ७	24 श्रावण शु. १३	31 भाद्रवद कृ. ५
शनि	4 श्रावण कृ. ७	11 श्रावण अमावस्या	18 श्रावण शु. ८	25 श्रावण शु. १४	

व्यक्ति अपने विचारों और संस्कारों के आधार पर ही खडा है। यदि अत्यन्त पुरुषार्थ करे तो इन विचारों, संस्कारों में परिवर्तन करके उन्नति के शिखर पर पहुंच सकता है।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

प्राणियों पर दया

परमपिता परमात्मा की सृष्टि में अनेकविध पशु-पक्षी विषम परिस्थितियों में अपना जीवन-यापन करते हैं) उनके प्रति दया के भाव रखना और उनकी यथायोग्य सहायता करना हमारा कर्त्तव्य है ।

वैदिक साहित्य वेदांग

(१) शिक्षा (३) व्याकरण (५) छन्द
(२) कल्प (४) निरुक्त (६) ज्योतिष्

SEPTEMBER-2018 सितम्बर-२०१८ भाद्रपद - आश्विन मास

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि	30 आश्विन कृ. ६	2 भाद्रपद कृ. ७	9 अमावस्या	16 भाद्रपद शु. ७	23 भाद्रपद शु. १४
सोम	3 भाद्रपद कृ. ८ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	10 भाद्रपद शु. १	17 भाद्रपद शु. ८	24 भाद्रपद शु. १४	
मंगल	4 भाद्रपद कृ. ९	11 भाद्रपद शु. २	18 भाद्रपद शु. ९	25 भाद्रपद पूर्णिमा १५	
बुध	5 भाद्रपद कृ. १०	12 भाद्रपद शु. ३	19 भाद्रपद शु. १०	26 आश्विन कृ. १	
गुरु	6 भाद्रपद कृ. ११	13 भाद्रपद शु. ४	20 भाद्रपद शु. ११	27 आश्विन कृ. २	
शुक्र	7 भाद्रपद कृ. १२/१३	14 भाद्रपद शु. ५	21 भाद्रपद शु. १२ मोहर्रम	28 आश्विन कृ. ३	
शनि	1 भाद्रपद कृ. ६	8 भाद्रपद कृ. १४	15 भाद्रपद शु. ६	22 भाद्रपद शु. १३	29 आश्विन कृ. ४/५

ईश्वर के ज्ञान से व्यक्ति को शक्ति, सुख, आनन्द, तृप्ति, संतोष, स्वतंत्रता मिलती है और व्यक्ति निश्चिन्त होकर संसार में चलता है ।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

॥ ओ३म् ॥

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

शुद्धि

शुद्धि दो प्रकार की होती है - बाह्य व आन्तरिक । जीवनोपयोगी साधनों की शुद्धि को बाह्य शुद्धि कहते है । विचारों की पवित्रता, ईर्ष्या-द्वेष-लोभादि दोषों से पृथक् होना आन्तरिक शुद्धि है ।

वैदिक साहित्य

(१) मनुस्मृति (३) वाल्मिकी रामायण
(२) विदुर-नीति (४) महाभारत

OCTOBER-2018 | अक्टूबर-२०१८ | आश्विन / कार्तिक

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		7 आश्विन कृ. १३	14 आश्विन शु. ५	21 आश्विन शु. १२	28 कार्तिक कृ. ४
सोम	1 आश्विन कृ. ७	8 आश्विन कृ. १४	15 आश्विन शु. ६	22 आश्विन शु. १३	29 कार्तिक कृ. ५
मंगल	2 आश्विन कृ. ८ महात्मा गांधी जयंती	9 आश्विन अमावस्या	16 आश्विन शु. ७	23 आश्विन शु. १४	30 कार्तिक कृ. ६
बुध	3 आश्विन कृ. ९	10 आश्विन शु. १	17 आश्विन शु. ८	24 आश्विन पूर्णिमा	31 कार्तिक कृ. ७
गुरु	4 आश्विन कृ. १०	11 आश्विन शु. २	18 आश्विन शु. ९	25 कार्तिक कृ. १	
शुक्र	5 आश्विन कृ. ११	12 आश्विन शु. ३	19 आश्विन शु. १० दशहरा	26 कार्तिक कृ. २	
शनि	6 आश्विन कृ. १२	13 आश्विन शु. ४	20 आश्विन शु. ११	27 कार्तिक कृ. ३	

हम प्रजापति अर्थात् परमेश्वर की प्रजा और परमात्मा हमारा राजा,
हम उसके किंकर भृत्यवत् हैं । वह कृपा से अपनी सृष्टि में हमको
राज्याधिकारी करे और हमारे हाथ से अपने सत्य-न्याय की प्रवृत्ति करावे ।

योगादेव तु कैवल्यम्

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

ग ओ३म् ग

वानप्रस्थ साधक आश्रम

आर्यवन, रोजड़, पो. सागपुर, जि. साबरकांठा-३८३३०७ (गुजरात)

आचार्य ज्ञानेश्वर जी आर्य
जन्म : 27-09-1949 • निधन : 14-11-2017

पूज्य आचार्य ज्ञानेश्वर जी आर्य
ओजस्वी एवं क्रान्तिकारी वैदिक प्रवक्ता, दार्शनिक विद्वान्, वानप्रस्थ साधक आश्रम के अधिष्ठाता, राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत, अनेकोनेक दार्शनिक विद्वानों के निर्माता, अत्यन्त पुरुषार्थी, साधक, स्नेहशील, मार्गदर्शक, प्रेरक, कर्मठ, कुशल प्रबन्धक, नेतृत्व प्रदाता ।

NOVEMBER-2018 नवम्बर-२०१८ कार्तिक - मार्गशीर्ष

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि		**4** कार्तिक कृ. १२	**11** कार्तिक शु. ४	**18** कार्तिक शु. १०	**25** मार्गशीर्ष कृ. २
सोम		**5** कार्तिक कृ. १३	**12** कार्तिक शु. ५	**19** कार्तिक शु. ११	**26** मार्गशीर्ष कृ. ३/४
मंगल		**6** कार्तिक कृ. १४	**13** कार्तिक शु. ६	**20** कार्तिक शु. १२	**27** मार्गशीर्ष कृ. ५
बुध		**7** कार्तिक अमावस्या दीपावली	**14** कार्तिक शु. ७ आचार्य ज्ञानेश्वर पूण्यतिथि	**21** कार्तिक शु. १३ ईद	**28** मार्गशीर्ष कृ. ६
गुरु	**1** कार्तिक कृ. ८	**8** कार्तिक शु. १	**15** कार्तिक शु. ८	**22** कार्तिक शु. १४	**29** मार्गशीर्ष कृ. ७
शुक्र	**2** कार्तिक कृ. ९/१०	**9** कार्तिक शु. २	**16** कार्तिक शु. ८	**23** कार्तिक अमावस्या गुरु नानक जयंती	**30** मार्गशीर्ष कृ. ८
शनि	**3** कार्तिक कृ. ११	**10** कार्तिक शु. ३	**17** कार्तिक शु. ९	**24** मार्गशीर्ष कृ. १	

क्योंकि हम और आपको अति उचित है कि जिस देश के पदार्थों से अपना शरीर बना, अब भी पालन होता है, आगे होगा, उसकी उन्नति तन, मन, धन से सब जनें मिलकर प्रीति से करें ।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org

DECEMBER-2018 दिसम्बर-२०१८ मार्गशीर्ष - पौष

विक्रम संवत् - २०७५ सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३,११९

रवि	30 पौष शु. ९	2 मार्गशीर्ष कृ. १०	9 मार्गशीर्ष शु. २	16 मार्गशीर्ष शु. ९	23 पौष कृ. १
सोम	31 पौष कृ. १०	3 मार्गशीर्ष कृ. ११	10 मार्गशीर्ष शु. ३	17 मार्गशीर्ष शु. १०	24 पौष कृ. २
मंगल		4 मार्गशीर्ष कृ. १२	11 मार्गशीर्ष शु. ४	18 मार्गशीर्ष शु. ११	25 पौष कृ. ३ क्रिसमस
बुध		5 मार्गशीर्ष कृ. १३	12 मार्गशीर्ष शु. ५	19 मार्गशीर्ष शु. १२	26 पौष कृ. ४
गुरु		6 मार्गशीर्ष कृ. १४	13 मार्गशीर्ष शु. ६	20 मार्गशीर्ष शु. १३	27 पौष कृ. ५
शुक्र		7 मार्गशीर्ष अमावस्या	14 मार्गशीर्ष शु. ७	21 मार्गशीर्ष शु. १४	28 पौष कृ. ६
शनि	1 मार्गशीर्ष	8 मार्गशीर्ष शु. १	15 मार्गशीर्ष शु. ८	22 मार्गशीर्ष पूर्णिमा	29 पौष कृ. ७/८

वानप्रस्थ साधक आश्रम के मुख्य प्रकल्प (१) वानप्रस्थियों हेतु समुचित व्यवस्था (२) गुरुकुल (३) साहित्य प्रकाशन (४) योग शिविर (५) अग्निहोत्र केन्द्र (६) चिकित्सालय (७) यज्ञ प्रशिक्षण शिविर (८) व्यक्तित्व निर्माण शिविर (९) गौ सेवा इत्यादि।

सौजन्य : वानप्रस्था जयाबेन आर्या

• Tel. : (02770) 287417, 09427059550 • Email : vaanaprastharojad@gmail.com • Website : www.vaanaprastharojad.org